IJARSCT
ISSN: 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Volume 5, Issue 4, April 2025
Impact Factor: 7.67

भारत की विदेश नीति पर एक अध्ययन

डॉ. प्रीति पाण्डेय
प्राध्यापक राजनीति विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

अशोक कुमार नापित
शोधार्थी राजनीति विज्ञान
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

शोध सारांश –

किसी देश की विदेश नीति, जिसे विदेशी संबंधों की नीति भी कहा जाता है, अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के वातावरण में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राज्य द्वारा चुनी गई स्वहितकारी रणनीतियों का समूह होती है। भारत की प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से सम्पन्न भारत एक विकासशील देश है। अपने सुदीर्घ ऐतिहासिक विकास में इसने अनेक जय, पराजय, उत्थान–पतन के चरण देखे है, प्रत्येक राष्ट्र की विदेश नीति का मुख्य आधार राष्ट्रहित है और भारत भी इसका अपवाद नही है। भारत ने अपने राष्ट्रहितो ं को सुरक्षित रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा को उन्नत करने, राष्ट्रो के मैत्रीपूर्ण एवं सहिष्णु संबधें को बनाये रखने तथा अंतर्राष्ट्रीय कानूनो व संधियों के प्रति सम्मान का भाव उत्पन्न करने में सदैव प्रयासरत रहा है। यह भारतीय विदेश नीति की विशेषता ही है कि संकट की स्थिति में अपने आप को उबारा। किसी भी देश की विदेश नीति एक विशिष्ट आंतरिक व बाहय् वातावरण के स्वरूप द्वारा काफी हद तक निर्धारित होती है। इसके अतिरिक्त इतिहास, विरासत, व्यक्तित्व, विचारधाराएं, विभिन्न संरचनाओं आदि का प्रभाव भी इस पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

मुख्य शब्द – विदेश, नीति, प्रभाव, अंतरराष्ट्रीय, संबंध आदि।